21

तालागाँव

गुरुजी ने कहा : तुमने चौथी कक्षा में रामगढ़ की गुफाओं के बारे में पढ़ा है। छत्तीसगढ़ में कई ऐतिहासिक महत्व के स्थान हैं। इन्हीं में से एक है तालागाँव। आज हम इसके बारे में बातचीत करेंगे।

आर्या : गुरुजी, तालागाँव कहाँ है और क्यों प्रसिद्ध है?

गुरुजी : यह बिलासपुर से रायपुर की ओर लगभग 32 कि.मी. की दूरी पर मनियारी नदी के तट पर बसा है। वैसे तो यह गाँव भी अन्य गाँवों की तरह ही है, मगर यहाँ पर बहुत पुराने मंदिर हैं जो अब खंडहर हो चुके हैं।

r|e tgk| jgr| gk] D;k ogk| Hkh dkbZ i|jkuk efnj ;k bekjr g] ftlds dkj.k mls nlj| xko @'kgj ;k jkT; ds ykx tkurs gSa

चित्र– देवरानी मंदिर

तालागाँव में दो प्रसिद्ध मंदिर हैं। इन मंदिरों को देवरानी–जेठानी मंदिर के नाम से जाना जाता है। नीचे दिए चित्र को देखकर क्या तुम बता सकते हो कि ये मंदिर किन–किन चीज़ों से बने होंगे ?

तुषार : गुरुजी, इन मंदिरों का निर्माण कब हुआ था?

गुरुजी : इन मंदिरों के शिलालेखों पर जानकारी लिखी हुई है, इसके अनुसार इनका निर्माण लगभग 1500 साल पहले हुआ था। इन मंदिरों को बनाने में लाल बलुआ पत्थर का उपयोग किया गया है।

चित्र– देवरानी मंदिर

कीर्ति : गुरुजी, मंदिरों को बनाने के लिए इतना सारा लाल बलुआ पत्थर कहाँ से मिला होगा?

गुरुजी : मजेदार बात यह है कि तालागाँव जिस मनियारी नदी के तट पर बसा है, उसमें भी लाल बलुआ पत्थर पाया जाता है।

bu efnjk dk cuku d fy, iRFkj dl yk;k x;k gkxk

**vkt l M< gtkj o"k igy dk tuthou dl k jgk gkxk\ D;k rc Vd ,o VDVj jg gkx **

---

efu;kjh unh l cM&cM iRFkjk dk efnj rd dl igpk;k x;k gkxk

;fn vkt bu efnjk dk cuk;k tkrk rk iRFkjk dk fuek.k&LFky rd igpku d fy, D;k 0;oLFkk gkrh

---

अनन्या :गुरुजी, इन मंदिरों में किसकी मूर्ति है?

गुरुजी :देवरानी मंदिर में शिव की मूर्ति है। वैसे देवरानी–जेठानी मंदिर शिव मंदिर ही था।

अब जेठानी मंदिर पूरी तरह खंडहर हो चुका है लेकिन देवरानी मंदिर का दो तिहाई भाग अभी भी सुरक्षित है। बहुत पुराने होने के कारण मंदिर मलबे में तब्दील हो चुके हैं। इन खंडहरों के मलबे की सफाई के दौरान यहाँ धातु के सिक्के, विभिन्न मूर्तियाँ आदि प्राप्त हुए हैं। इनमें पत्थर से बने रुद्र शिव की विशालकाय एवं अद्भुत प्रतिमा भी प्राप्त हुई है। यह मूर्ति पूरे भारत में प्राप्त शिव की मूर्तियों से अलग है।

tBkuh efnj

महक :गुरुजी, इस मूर्ति में ऐसी क्या खास बात है कि यह पूरे भारत की शिव मूर्तियों से अलग है?

गुरुजी :जैसा कि इस चित्र में दिखाई दे रहा है, पत्थर से निर्मित इस शिव मूर्ति के 10 मुख हैं। प्रत्येक मुख की बनावट अलग–अलग है। इन मुखों पर नाग, मोर, गिरगिट, मछली, केकड़ा, सर्प आदि जंतुओं की आकृतियों को उकेरा गया है। यह मूर्ति 9 फीट लंबी 4 फीट चौड़ी, 2.5 फीट मोटी है और इसका वजन 5 हजार किलोग्राम है। यह मूर्ति एक ही पत्थर को तराशकर बनाई गई है।

: n f'ko dh efr

कृष्णा :गुरुजी, शिव प्रतिमा में विभिन्न जीव–जंतुओं की आकृतियाँ क्यों बनाई गई हैं?

गुरुजी :इसके संभवतः दो कारण हो सकते हैं, पहला यह कि शिव को ''पशुपति'' कहा जाता है जिसका अर्थ है, वे सभी पशु–पक्षियों के स्वामी हैं। इसी कल्पना से मूर्तिकार ने शिवमूर्ति पर विभिन्न जीव–जंतुओं की आकृतियाँ उकेरी होंगी। दूसरा यह कि ये जीव–जंतु भी प्रकृति के अंग हैं और हम इन्हें भी सुरक्षित रखें। इस बात को ध्यान में रखकर मूर्तिकार ने विभिन्न जीव–जंतुओं की आकृतियाँ बनाई होंगी।

D;k rqe viu vkl&ikl ik, tku oky tho&trqvk dk cpku d fy, dkbZ dkf'k'k djr gk

D;k vktdy d efrdkj Hkh efr;k e tho&trqvk d fp= mdjr g

डोली : गुरुजी उस गाँव का नाम तालागाँव क्यों पड़ा ?

गुरुजी: मेरे दादाजी कहते हैं प्राचीनकाल में यहाँ पार्वती देवी का भी मंदिर रहा होगा जो तारादेवी के स्वरूप में रही होगी। इसीलिए संभवतः इसे तारागाँव कहा जाता रहा होगा। बाद में धीरे–धीरे इसका नाम तालागाँव पड़ गया होगा।

rEgkj 'kgj ;k xko dk uke dl iMk gkxk viu cqtx l irk djkA

विभा : गुरुजी, तालागाँव में और क्या–क्या देखने लायक है?

गुरुजी : तालागाँव में प्राप्त विशालकाय रुद्र शिव की अद्भुत मूर्ति को देखने देश–विदेश से बहुत संख्या में पर्यटक हर साल आते हैं। महाशिवरात्रि के समय हर साल यहाँ सात दिन का मेला लगता है। इस मेले में आस–पास के हजारों श्रद्धालु आते हैं।

मनियारी नदी के तट पर बसा होने के कारण यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य बहुत मनोरम है। यहाँ से कुछ ही दूरी पर मनियारी एवं शिवनाथ नदी का संगम स्थल भी है।

तालागाँव के बारे में जानकर सभी बच्चे बहुत खुश हुए और उन्होंने तालागाँव भ्रमण पर ले जाने के लिए गुरुजी से आग्रह किया।

NÙkhlx< e vkj dku&dku&lh ,lh ijkuh txg g\ mud ckj e viu f'k{kd l ;k cMk l irk djk vkj mudh fo'k"krkvk dk fy[kkA

कुछ लोग ऐतिहासिक इमारतों पर अपना नाम लिख देते हैं, क्या यह उचित है ?

तुम ऐतिहासिक स्थानों/इमारतों के संरक्षण के लिए क्या–क्या कर सकते हो ?

क्या तुम्हारे शहर–गाँव या आस–पास कहीं कोई संग्रहालय (म्यूजियम) है ?

पता लगाओ वहाँ क्या–क्या है ?

म्यूजियम में बहुत पुरानी चीजें रखी होती हैं। जो खुदाई के दौरान भी मिली हो सकती हैं। इन चीजों से पता चलता है कि उस समय में लोग कैसे रहते थे, किन–किन चीजों का उपयोग करते थे ? क्या–क्या बनाते थे ?

सोचो–अगर यह सब संभालकर नहीं रखा होता तो क्या आज हम उस समय के बारे में इतना कुछ जान पाते।

तुम भी अपना म्यूजियम बनाओ।

आस–पास की पुरानी चीजें जैसे बर्तन, खेती के औजार, कलाकृतियाँ, सिक्के, इस्तेमाल करने की अन्य वस्तुएँ, घड़ियाँ, खड़ाऊ, घंटियाँ आदि जमा करें और एक स्थान पर रखें इन वस्तुएँ के बारे में कुछ बातें लिखना ना भूलें।

geu D;k lh[kk

ekf[kd

1. तालागाँव में कौन–कौन से दो प्रसिद्ध मंदिरों के अवशेष प्राप्त हुए हैं?

2. देवरानी मंदिर किस देवता का मंदिर है?

3. तालागाँव के मंदिरों में किस प्रकार के पत्थरों का प्रयोग किया गया है?

fyf[kr

1. तालागाँव के मंदिरों की तुलना किसी भी एक मंदिर से कीजिए।

2. तालागाँव के मंदिरों का निर्माण कब कराया गया था?

3. तालागाँव में खुदाई से प्राप्त शिव की मूर्ति की क्या विशेषता है?

4. तालागाँव के मंदिरों के निर्माण में उपयोग किए गए पत्थर कहाँ से प्राप्त हुए थे?

खोजो आस–पास

1. अपने आस–पास की प्राचीन ऐतिहासिक इमारतों को जाकर देखो एवं उनके बारे में जानकारी प्राप्त करो और निम्न तालिका में भरो–

क्र	स्थान का नाम	देखे गए भवन का प्रकार मंदिर/इमारत आदि	निर्माण वर्ष	निर्माणकर्ता का नाम	विशेषता

2. अपने आस–पास स्थित पुरानी इमारतों का अवलोकन करो और पता करो कि उनको बचाने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं?

3. देश–विदेश की प्रसिद्ध इमारतों के चित्र इकट्ठा कर अपनी कॉपी में चिपकाओ।

FE8ZYZ